कक्षा - नौवीं ***प्रस्तुतकर्ता***

लिंग परिवर्तन **डॉ.सुनील बहल**

1. लड़का पढ़ता है। 2. लड़की पढ़ती है।

3. कवि कविता सुनाता है। 4. कवयित्री कविता सुनाती है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'लड़का' तथा 'कवि' शब्द पुरुष जाति का बोध करा रहे हैं, अतः ये शब्द पुल्लिंग हैं। 'लड़की' तथा 'कवयित्री' शब्द स्त्रीलिंग जाति का बोध करा रहे हैं, अतः ये शब्द स्त्रीलिंग हैं।

अतः शब्द के जिस रूप द्वारा यह पता चले कि जिसके विषय में बात की जा रही है, वह पुरुष जाति का है या स्त्री जाति का, उसे लिंग कहा जाता है।

हिंदी में लिंग के दो भेद हैं-1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग

लिंग परिवर्तन

(पुल्लिंग शब्द से स्त्रीलिंग शब्द बनाने के प्रमुख नियम)

1.कुछ अकारान्त (जिन शब्दों के अंत में 'अ' ध्वनि हो) शब्दों को आकारान्त (जिन शब्दों के अंत में 'आ' ध्वनि हो) कर दिया जाता है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
सुत	सुता	बाल	बाला
आचार्य	आचार्या	छात्र	छात्रा
महोदय	महोदया	प्रियतम	प्रियतमा
वृद्ध	वृद्धा	अध्यक्ष	अध्यक्षा

2. कुछ अकारान्त या आकारान्त पुल्लिंग शब्दों के अंतिम 'अ' या 'आ' के स्थान पर 'ई' कर दिया जाता है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
देव	देवी	काका	काकी
तरुण	तरुणी	मामा	मामी
कुमार	कुमारी	घड़ा	घड़ी
गोप	गोपी	बच्चा	बच्ची
पोता	पोती	चाचा	चाची

3. कुछ अकारांत पुल्लिंग शब्दों के अंत में 'नी' प्रत्यय लगाकर स्त्रीलिंग शब्दों की रचना की जाती है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
भील	भीलनी	शेर	शेरनी
मोर	मोरनी	ऊँट	ऊँटनी
सिंह	सिंहनी	हंस	हंसनी

4. कुछ अकारांत पुल्लिंग शब्दों में 'आनी' प्रत्यय जोड़कर स्त्रीलिंग शब्दों की रचना की जाती है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
देवर	देवरानी	जेठ	जेठानी
मेहतर	मेहतरानी	नौकर	नौकरानी

विशेष : किंतु कुछ शब्दों में 'आनी' के स्थान पर 'आणी' लगता है।

इन्द्र	इन्द्राणी	रुद्र	रुद्राणी
खत्री	खत्राणी		

5.जाति, उपनाम और पदवी वाची शब्दों के अंतिम स्वर के स्थान पर 'आइन' प्रत्यय लगाकर स्त्रीलिंग शब्दों की रचना की जाती है।

विशेष (i) **:** 'आइन' प्रत्यय लगाने के साथ-साथ शब्द के आदि स्वर (पहले स्वर) को भी प्रायः ह्रस्व कर दिया जाता है अर्थात 'आ' को 'अ', 'ई' को 'इ' तथा 'ऊ' को 'उ' कर दिया जाता है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
ठाकुर	ठकुराइन	लाला	ललाइन
चौधरी	चौधराइन	पंडा	पंडाइन
दूबे	दुबाइन	चौबे	चौबाइन

विशेष (ii) : गुरु - गुरुआइन तथा बाबू - बबुआइन शब्दों (स्त्रीलिंग) में अंतिम स्वर के स्थान पर नहीं अपितु अंतिम स्वर के बाद 'आइन' लगाकर स्त्रीलिंग शब्द बनाया गया है।

6. कुछ अकारात या आकारांत पुल्लिंग शब्दों के अंतिम 'आ' के स्थान पर स्त्रीलिंग में 'इया' प्रत्यय लगा दिया जाता है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
बंदर	बंदरिया	डिब्बा	डिबिया
मुन्ना	मुनिया	चिड़ा	चिड़िया
बूढ़ा	बुढ़िया	बेटा	बिटिया

विशेष : (i) यदि मूल शब्द में द्वित्व व्यंजन हो तो एक व्यंजन का लोप हो जाता।'डिब्बा' में 'ब' को द्वित्व होने पर स्त्रीलिंग में एक 'ब्' का लोप हो जाता है।

(ii) यदि शब्द का पहला स्वर 'ऊ' हो तो उसे 'उ', यदि 'ए' हो तो उसे 'इ' तथा यदि 'ओ' हो तो उसे 'उ' हो जाता है। जैसे- चूहा-चुहिया, बेटा-बिटिया, लोटा-लुटिया।

7. व्यवसाय सूचक (कार्यसूचक) व कुछ अन्य पुल्लिंग शब्दों के अंतिम स्वर के स्थान पर 'इन' लगाकर स्त्रीलिंग शब्द बन जाता है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पुजारी	पुजारिन	ग्वाला	ग्वालिन
धोबी	धोबिन	नाई	नाइन
तेली	तेलिन	दर्जी	दर्जिन
साँप	साँपिन	पापी	पापिन

8. संस्कृत की कुछ संज्ञाओं में प्रयुक्त अंतिम 'अक' के स्थान पर 'इका' लगाने से स्त्रीलिंग शब्दों की रचना होती है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
बालक	बालिका	सेवक	सेविका
मूषक	मूषिका	शिक्षक	शिक्षिका
याचक	याचिका	पाठक	पाठिका
निर्देशक	निर्देशिका	प्रेक्षक	प्रेक्षिका

9. कुछ संज्ञा शब्दों में अंतिम 'ता' के स्थान पर 'त्री' लगा देने से स्त्रीलिंग शब्द की रचना होती है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नेता	नेत्री	अभिनेता	अभिनेत्री
धाता	धात्री	दाता	दात्री
कर्ता	कर्त्री	भर्ता	भर्त्री

10. कुछ ईकारांत (जिन शब्दों के अंत में 'ई' ध्वनि हो) पुल्लिंग संज्ञा शब्दों के अंतिम स्वर 'ई' के स्थान पर 'इनी' प्रत्यय लगाकर स्त्रीलिंग शब्दों की रचना होती है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
तेजस्वी	तेजस्विनी	स्वामी	स्वामिनी
अभिमानी	अभिमानिनी	स्वाभिमानी	स्वाभिमानिनी
तपस्वी	तपस्विनी	यशस्वी	यशस्विनी

विशेष : परोपकारिणी, ब्रह्मचारिणी, हितकारिणी आदि में 'इनी' की जगह 'इणी' का प्रयोग होगा।

11. 'आन' अंत वाले कुछ पुल्लिंग संज्ञा शब्दों के अंत में 'अती' लगाकर स्त्रीलिंग शब्द बनाया जाता है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
श्रीमान	श्रीमती	शक्तिमान	शक्तिमती
भगवान	भगवती	ज्ञानवान	ज्ञानवती
बुद्धिमान	बुद्धिमती	गुणवान	गुणवती

12. सर्वथा भिन्न रूप में बनने वाले स्त्रीलिंग शब्द : कुछ पुल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग में विशिष्ट रूप बनते हैं।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पिता	माता	विद्वान	विदुषी
युवक	युवती	वीर	वीरांगना
मर्द	औरत	सम्राट	सम्राज्ञी
राजा	रानी	पुरुष	स्त्री
पति	पत्नी	वर	वधू
कवि	कवयित्री	ससुर	सास
बिलाव	बिल्ली	विधुर	विधवा
बाप	माँ	मियाँ	बीवी

नित्य पुल्लिंग व नित्य स्त्रीलिंग

विशेष (1) खटमल, पक्षी, खरगोश आदि। इनका नित्य पुल्लिंग में प्रयोग होता है। अत: जिनका नित्य पुल्लिंग में प्रयोग होता है,नित्य पुल्लिंग कहलाते हैं।

विशेष (2) कोयल, मछली, मक्खी आदि।इनका नित्य स्त्रीलिंग में प्रयोग होता है। अत: जिनका नित्य स्त्रीलिंग में प्रयोग होता है,नित्य स्त्रीलिंग कहलाते हैं।

विशेष (3) 'मादा मच्छर' डेंगू की बीमारी फैलाता है । यद्यपि मच्छर' शब्द सदैव नित्य पुल्लिंग रूप में आता है तथापि उपर्युक्त वाक्य को देखा जाये तो पता चलता है कि आवश्यकतानुसार नित्य पुल्लिंग में 'मादा' शब्द जोड़कर लिंग दर्शाया जा सकता है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पशु	मादा पशु	कौआ	मादा कौआ
खरगोश	मादा खरगोश	मच्छर	मादा मच्छर
भेड़िया	मादा भेड़िया	उल्लू	मादा उल्लू
चीता	मादा चीता	बाज	मादा बाज
खटमल	मादा खटमल	बिच्छू	मादा बिच्छू

विशेष (4) नित्य पुल्लिंग की तरह नित्य स्त्रीलिंग शब्दों के आगे 'नर' शब्द जोड़कर लिंग दर्शाया जा सकता है।

नित्य स्त्रीलिंग	नित्य पुल्लिंग	नित्य स्त्रीलिंग	नित्य पुल्लिंग
कोयल	नर कोयल	गिलहरी	नर गिलहरी
मैना	नर मैना	मकड़ी	नर मकड़ी
मक्खी	नर मक्खी	बुलबुल	नर बुलबुल
जूँ	नर जूँ	लोमड़ी	नर लोमड़ी
जोंक	नर जोंक	चील	नर चील

अभ्यास के उत्तर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
शिष्य	शिष्या	अनुज	अनुजा
सुशील	सुशीला	वृद्ध	वृद्धा
ब्राह्मण	ब्राह्मणी	मौसा	मौसी
लोटा	लुटिया	चूहा	चुहिया
पंडित	पंडिताइन	बनिया	बनियानी
उपदेशक	उपदेशिका	अध्यापक	अध्यापिका
नायक	नायिका	पत्र	पत्रिका
आयुष्मान	आयुष्मती	रूपवान	रूपवती
सेठ	सेठानी	पठान	पठानिन
कुम्हार	कुम्हारिन	माली	मालिन
पड़ोसी	पड़ोसिन	भक्त	भक्तिन
संन्यासी	संन्यासिनी	हितकारी	हितकारिणी
मनस्वी	मनस्विनी	परोपकारी	परोपकारिणी
प्रबन्धकर्ता	प्रबन्धकर्त्री	रचयिता	रचयित्री
मज़दूर	मज़दूरिन	रीछ	रीछनी
आदमी	औरत	साधु	साध्वी
विद्वान	विदुषी	भैंसा	भैंस
नर	नारी	भाई	भाभी/भौजी/भौजाई

धन्यवाद

डॉ.सुनील बहल

एम.ए.(संस्कृत,हिंदी),एम.एड.,पीएच.डी (हिंदी)